**दरिद्र दहन स्रोत संस्कृत में(Daridra dahan stotra in Sanskrit)**

**||दरिद्र दहन स्रोतम ||**

**विश्वेश्वराय नरकार्णवतारणाय कर्णामृताय**

**शशिशेखराय धारणाय कर्पूरकांति धवलाय जटाधराय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय..... ||1||**

**गौरी प्रियाय रजनीश कलाधराय कालान्तकाय**

**भुजंगाधिप कंकणाय गंगाधराय गजराज विमर्दनाय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय.....||2||**

**भक्ति प्रियाय भवरोग भयापहाय**

**उग्राय दुर्गमभवसागर तारणाय**

**ज्योतिर्मयाय गुणनाम सुनृत्यकाय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय.....||3||**

**चर्माम्बराय शवभस्म विलेपनाय**

**भालेक्षणाय मणिकुंडल मण्डिताय**

**मंजीर पादयुगलाय जटाधराय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय....||4||**

**पंचाननाय फणिराज विभूषणाय**

**हेमांशुकाय भुवनत्रय मण्डिताय**

**अनन्त भूमि वरदाय तमोमयाय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय....||5।||**

**भानुप्रियाय भवसागर तारणाय**

**कालान्तकाय कमलासन पूजिताय**

**नेत्रत्रयाय शुभलक्षण लक्षिताय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय....||6||**

**रामप्रियाय रघुनाथ वर प्रदाय**

**नागप्रियाय नरकार्णवतारणाय**

**पुण्येषु पुण्यभरिताय सुरार्चिताय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय....||7||**

**मुक्तेश्वराय फलदाय गणेश्वराय**

**गति प्रियाय वृषभेश्वर वाहनाय**

**मातंग चर्मवसनाय महेश्वराय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय....||8||**

**दारिद्रय दहन स्तोत्र का अर्थ हिंदी में H2**

**Daridra Dahan Stotra Meaning in Hindi H2**

**विश्वेश्वराय नरकार्णवतारणाय कर्णामृताय**

**शशिशेखराय धारणाय कर्पूरकांति धवलाय जटाधराय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय…||**

हिंदी अर्थ -संसार के स्वामीरूप विश्वेश्वर, नरकरूपी संसार से मोक्ष प्रदान करने वाले, कानों से सुनने में अमृत के समान , भाल पर चन्द्रमा को अलंकार के रूप में धारण करने वाले, कर्पूर की कान्ति के समान सफ़ेद रंग वाले, जटाधारी और दरिद्रता और दु:खों का नाश करने वाले भगवान शिव को मेरा नमस्कार है.

**गौरी प्रियाय रजनीश कलाधराय कालान्तकाय**

**भुजंगाधिप कंकणाय गंगाधराय गजराज विमर्दनाय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय…||**

हिंदी अर्थ- गौरी मैया के अत्यन्त प्रिय, रजनीश्वर (चन्द्रमा) की समस्त कला को धारण करने वाले, काल के भी काल (यम) रूप, नागराज को कंकणरूप में धारण करने वाले, मस्तक पर गंगा को धारण करने वाले, गजराज का मर्दन करने वाले और दरिद्रता और दु:खों का नाश करने वाले भगवान शिव को मेरा नमस्कार है.

**भक्ति प्रियाय भवरोग भयापहाय**

**उग्राय दुर्गमभवसागर तारणाय**

**ज्योतिर्मयाय गुणनाम सुनृत्यकाय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय**…||

हिंदी अर्थ – भक्तिप्रिय, भव रोग एवं डर का नाश करने वाले , संहार के समय उग्ररूप धारण करने वाले,दुर्गम भवसागर से पार कराने वाले, ज्योति स्वरूप, अपने गुण और नाम के अनुरूप सुन्दर नृत्य करने वाले तथा दरिद्रता और दु:खों का नाश करने वाले भगवान शिव को मेरा नमस्कार है.

**चर्माम्बराय शवभस्म विलेपनाय**

**भालेक्षणाय मणिकुंडल मण्डिताय**

**मंजीर पादयुगलाय जटाधराय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय….||**

हिंदी अर्थ– शेर की खाल धारण करने वाले, शरीर पर चिताभस्म को लगाने वाले, मस्तक में तीसरा नेत्र धारण करने वाले, मणियों के कुण्डल से सुसज्जित, चरणों में नूपुर धारण करने वाले जटाधारी और दरिद्रता और दु:खों का नाश करने वाले भगवान शिव को मेरा नमस्कार है।

**पंचाननाय फणिराज विभूषणाय**

**हेमांशुकाय भुवनत्रय मण्डिताय**

**अनन्त भूमि वरदाय तमोमयाय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय…||**

हिंदी अर्थ – पांच मुख वाले, सर्पों के आभूषणों से सुशोभित, सुवर्ण के समान वस्त्र वाले या सुवर्ण के समान किरण वाले, आनन्दभूमि (काशी) को वरदान देने वाले, संसार का संहार के लिए तमोगुणाविष्ट होने वाले व दरिद्रता और दु:खों का नाश करने वाले भगवान शिव को मेरा नमस्कार है।

**भानुप्रियाय भवसागर तारणाय**

**कालान्तकाय कमलासन पूजिताय**

**नेत्रत्रयाय शुभलक्षण लक्षिताय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय…||**

हिंदी अर्थ– सूर्य को अनंत प्यारे, संसार का उद्धार करने वाले, काल के लिए भी महाकालरूपी, कमल के आसन (ब्रह्मा) द्वारा पूजित, त्रनेत्र धारी , शुभ गुणों से युक्त तथा दरिद्रता और दुखों का नाश करने वाले भगवान शिव को मेरा नमस्कार है।

**रामप्रियाय रघुनाथ वर प्रदाय**

**नागप्रियाय नरकार्णवतारणाय**

**पुण्येषु पुण्यभरिताय सुरार्चिताय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय…||**

हिंदी अर्थ– राम को परम प्रिय एवं रघुनाथजी को वर देने वाले, नागों के अतिप्रिय, संसार रूपी नरक से मुक्ति देने वाले , पुण्यवानों में उत्तम पुण्य वाले, समस्त देवताओं द्वारा पूजित तथा दरिद्रता और दुखों का नाश करने वाले भगवान शिव को मेरा नमस्कार है।

**मुक्तेश्वराय फलदाय गणेश्वराय**

**गति प्रियाय वृषभेश्वर वाहनाय**

**मातंग चर्मवसनाय महेश्वराय**

**दारिद्रय दु:ख दहनाय नम: शिवाय…||**

हिंदी अर्थ– मुक्तिधारकों के स्वामीरूप, चारों पुरुषार्थों को फल प्रदान करने वाले, स्तुतिप्रिय नन्दीवाहन, गजचर्म को वस्त्र की तरह धारण करने वाले, महेश्वर तथा दरिद्रता और दु:खों का नाश करने वाले भगवान शिव को मेरा नमस्कार है।।